Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2016 = 6.17, www.srjis.com
UGC Approved Sr. No.49366, MAR–APR, 2018, VOL- 5/44

वैकल्पिक शिक्षा की अवधारणा एवं भारतीय संदर्भ

चन्द्र प्रकाश सिंह[1] & भरत कुमार पंडा[2]
[1]पी एच.डी., शोध छात्र, शिक्षा विद्यापीठ, Email.chandraprakashbhu@gmail.com
[2]सहायक प्रोफेसर, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

Abstract

वैकल्पिक शिक्षा की अवधारणा भारत एवं पूरे विश्व की आगामी शैक्षिक मांग एवं अधिगम दृष्टिकोण है | वैकल्पिक शिक्षा की शब्दावली अपने आप में शिक्षा का एक नवीन पैराडाइम है, जो परम्परागत शिक्षा एवं उसके ढांचे को चुनौती देता है | इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के जन्मजात क्षमताओं और रूचि को विकसित एवं प्रेरित करना है | सामान्य विद्यालयों के पूर्वनिर्धारित पाठ्यक्रम एक निर्धारित ढांचे में विद्यार्थियों के समय एवं ज्ञान को उसके प्रकृति के विरुद्ध निचोड़ रहें हैं | वहीं वैकल्पिक शिक्षा प्रकृति एवं समाज की मदत से विद्यार्थियों को अपने ढंग से विकसित होने में सहायक है | इस शोध पत्र में वैकल्पिक शिक्षा से संबंधित कुछ प्रश्नों जैसे- वैकल्पिक शिक्षा क्या है ? वैकल्पिक शिक्षा कि आवश्यकता क्यों पड़ीं ? इसका संछिप्त इतिहास क्या है ? इसकी संकल्पना, मान्यताएं, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया एवं मूल्याकन की संस्कृति तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य में पनपती वैकल्पिक शिक्षा का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है |

प्रमुख शब्द – वैकल्पिक शिक्षा, पैराडाइम, पोर्ट फोलियो, निकष संदर्भित परीक्षण, लर्निंग लाग्स, सुधारात्मक आंकलन |

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

वैकल्पिक शिक्षा का इतिहास

विश्व पटल पर अगर हम दृष्टिपात करे तो पाते है कि मनुष्य की जिज्ञासाओं ने ही वैश्विक परिदृश्य को बहु आयामी ढ़ंग से निर्मित किया है, शिक्षा के सन्दर्भ में ऐतिहासिक रूप से अगर हम देखें तो इसका प्रारम्भ **18वीं सदी** के बाद खड़ा हुआ **जब लोग निर्धारित करनें लगे कि यहीं शिक्षा है** | अतः वर्तमान समय की मांग ने इस वैकल्पिक शिक्षा के परिदृश्य को जन्म दिया जो विभिन्न दर्शनों पर आधारित एक व्यापक परिप्रेक्ष्य है |

पश्चिमी देशों एवं भारत में इसकी उत्पत्ति कुछ मामलों में भिन्नता रखते हैं जहाँ पश्चिम में शुद्ध वैचारिक बौद्धिकता, आधुनिकता एवं मनोवैज्ञानिक सिद्दांतों का परिणाम था, वहीँ भारत में आवश्यकता आधारित था | **मिलर** के अनुसार - **"The History of alternative education is a story of social reformers and individualists, religious believers and romantics"** उदाहरण स्वरुप अमेरिका में **होरेस मैन** जो एक नेता एवं अमेरिकी शिक्षा सुधारक थे उन्होंने वहां पर केंद्रीयकृत शिक्षा व्यवस्था का समर्थन किया,

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

जिसका कुछ धार्मिक एवं अन्य आलोचकों ने विरोध किया क्योंकि वे शिक्षा को निजी, पारिवारिक एवं सामुदायिक प्रयास मानते थे न कि एक राजनीतिक कार्यक्रम जो राज्य द्वारा अनिवार्य रूप से थोपा जाये |

1762 में प्रकाशित रूसो की पुस्तक **'एमिल'** में इन्होनें भी पब्लिक स्कूल व्यवस्था की आलोचना की है और इस बात पर बल दिया है कि शिक्षा बच्चों के जन्मजात एवं सहज विकास पर बल देने वाली होनी चाहिए न कि सामाजिक मांग के अनुरूप | **19वीं सदी** में वैकल्पिक शिक्षा का विकास पब्लिक एजुकेशन के विरोध स्वरुप हुआ और जिसने वैकल्पिक शिक्षा की पृष्ठभूमि का निर्माण किया |इसमें कुछ मुख्य विचारकों एवं शिक्षाविदों का प्रयास रहा – **जे.जे. रूसो, पेस्तालाजी, फ्रोबेल** (किंडरगार्टन), **अल्काट, राल्फ वाल्डो, एमर्सन, हेनरी डेविड थोरो** इत्यादि | **20 वीं सदी** में कई ऐसे प्रयास एवं घटनाक्रम घटित हुए जो आज तक वैकल्पिक शिक्षा के परिदृश्य को प्रभावित कर रहे है | **1909** में प्रकाशित पुस्तक **'the century of the child'** जिसका लेखन एक स्वीडिश शिक्षाविद **एलेन की** के द्वारा किया गया | जो बाल केन्द्रित शिक्षा की वकालत करने वालो में अग्रणीय थे और इस शदी में अन्य मुख्य नाम **मारिया मान्टेसरी, रुडोल्फ स्टीनर, जॉन डीवी** (प्रोग्रेसिव आन्दोलन), **सेलेस्टियन फ्रेनेट** (1935 में अपने स्कूल की स्थापना के लिए पब्लिक स्कूल से त्याग पत्र दिया), **फ्रांसिस पार्कर** इत्यादि |

1960 से 1970 के दशक में वैकल्पिक शिक्षा की अवधारणा ने एक सामाजिक आन्दोलन का रूप ले लिया और इसका मुख्य कारण कुछ प्रमुख लेखक एवं विचारक थे इसमें **मुख्यतः इवान इलिच, एवरेट रीमर, ए.एस. नील, हर्मट वान हेंतिग, जान हाल्ट, जोनाथन काजल** (डेथ एट अर्ली ऐज), **हर्बर्ट कोल, कर्ट एच.ए.हैन** (राउंड स्क्वायर स्कूल), **पाउलो फ्रेरे** (क्रिटिकल पेडागाजी) आदि ने के अपने व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रयासों द्वारा इन्होने पब्लिक स्कूलिंग के मूल्य एवं विधियों पर प्रश्न खड़े किये एवं शिक्षा में एक सुधारात्मक आंदोलन को जन्म दिया | **21 वीं सदी** में **निर्माणवादी अधिगम सिध्दांत** पर आधारित दो मुख्य विद्यालयों की स्थापना हुई है-इंस्टीट्यूट ऑफ़ बिटनबर्ग (स्विस),प्रोटिक (कनेडियन) इत्यादि |

भारतीय सन्दर्भ में वैकल्पिक शिक्षा

भारतीय सन्दर्भ में वैकल्पिक शिक्षा के आयाम पश्चिमी अवधारणा से भिन्न थे यद्यपि कि पश्चिमी वैकल्पिक शिक्षा की संकल्पना ने भारतीय सन्दर्भ को अत्यधिक प्रभावित किया है, फिर भी यहाँ मुख्य समस्या विद्यालय तक पहुँच यानी नामांकन,विद्यालय की उपलब्धता, गरीबी, भौगोलिक बाधायें, संसाधनों की कमी एवं

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सामाजिक जरूरते थी, औपचारिक शिक्षा तक सबकी पहुँच नहीं थी या कहें कि औपचारिक शिक्षा सबकी जरूरतों को पूर्ण करनें में असमर्थ थी | यहाँ मुख्य रूप से दूर दराज के बच्चों को शिक्षा की व्यवस्था करना, बीच में स्कूल छोड़ने वालो के लिए शिक्षा की व्यवस्था करना, कृषि कार्य से स्थानान्तरित होनें वाले परिवार के बच्चों के शिक्षा की व्यवस्था करना, छोटे बच्चों के लिए अलग से योजना का निर्माण करना छुट्टियों के समय ब्रिज कोर्स चलाना, कौशल विकास एवं उत्पादकता के लिए शिक्षा की व्यवस्था करना इत्यादि | इन बातो को ध्यान में रखते हुए भारत में विविध विचारों एवं आवश्यकताओं पर आधारित विद्यालय संचालित किये जा रहे है,जैसे श्री अरविन्दो स्कूल, टैगोर इंटरनेशनल स्कूल,आनंद निकेतन, गिजूभाई बदेका के स्कूल, सत्य साईं स्कूल, चिन्मय मिशन के स्कूल, कृष्णमूर्ति फाउन्डेशन के स्कूल (ब्राकवुड पार्क स्कूल यू.के.,ऑक ग्रोव स्कूल यू.एस.ए., ऋषि वैली स्कूल आन्ध्र प्रदेश, राजघाट स्कूल वाराणसी, सह्याद्री स्कूल महाराष्ट्र, बाल आनन्द स्कूल मुंबई, द वैली स्कूल बंगलुरु), दिगान्तर स्कूल (राजस्थान), हेरिटेज स्कूल (बुलंद शहर, कोलकाता, गुडगाँव, etc.), जागृति स्कूल, विद्योदय स्कूल, ग्रीन स्कूल, सारंग स्कूल, बालाबलागा स्कूल, विकासना स्कूल,इमली महुआ स्कूल इत्यादि | भारत में छुट्टियो के समय ब्रिज कोर्स स्कूल चलाये जा रहे है एवं अन्य जरुरतमंदो के लिये- फिसिंग बोट स्कूल, टेंट स्कूल, प्लेटफ़ॉर्म स्कूल, एकलव्य(NGO) यह होशंगाबाद में प्रारम्भ हुआ जो ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है | यह सक्रिय कक्षा की अवधारणा में विश्वास करता है यहाँ शिक्षक प्रशिक्षक कार्यक्रम भी चलाया जाता है | एकलव्य के कार्यक्रमों में प्रयोग एवं अंतर्क्रियायों का सिलसिला चलता रहता है |

वैकल्पिक शिक्षा की संकल्पना

वैकल्पिक शिक्षा एक ऐसी शिक्षा है जो परंपरागत शिक्षा से हटकर है | यह एक बहुआयामी परिप्रेक्ष्य है न कि कोई प्रक्रिया या कार्यक्रम और इसका आधार इस विश्वास पर टिका है कि शिक्षित होने के कई मार्ग है | कई तरह के पर्यावरण एवं संरचनाए है और प्रत्येक व्यक्ति शिक्षित हो सकता है | प्रत्येक व्यक्ति एक समान तरीके से नहीं सीखता और इसलिए उसे एक समान पाठ्यक्रम का अनुसरण करते हुए नहीं सिखाया जा सकता है | वैकल्पिक शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो विकल्पों में विविधता के माध्यम से सांस्कृतिक बहुलता को समावेशी बनता है | वैकल्पिक शिक्षा एक इस बात में विश्वास करता है कि प्रत्येक व्यक्ति समुदाय के शैक्षिक लक्ष्य की प्राप्ति का मार्ग खोज सकता है | वैकल्पिक शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो चयन की स्वतंत्रता देता है एवं इसके माध्यम से

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

उसे एक सफल एवं उत्पादक व्यक्ति बनने में मदद करता है | वैकल्पिक शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति को उनकी मांग के अनुरूप विकल्पों को उपलब्ध कराकर प्रत्येक व्यक्ति की मूल्य एवं क्षमता की पहचान एवं उनका सम्मान करता है | वैकल्पिक शिक्षा किसी भी विद्यालय एवं समुदाय की उत्कृष्टता का प्रतीक है |वैकल्पिक शिक्षा एक ऐसा साधन है जो विद्यालय के रूपांतरण की वकालत करता है साथ ही साथ एक दार्शनिक एवं वैचारिक रूपांतरण का विचार भी देता है |

रान मिलर के अनुसार वैकल्पिक शिक्षा के पांच आधारभूत तत्व है-

वैयक्तिकता का सम्मान, संतुलन, सत्ता का विकेन्द्रीकरण, सामाजिक दखल से परे और समग्र दृष्टिकोण

वैकल्पिक शिक्षा की मान्यताएं - सफलता यह नहीं है कि लोगों के निर्धारित मानको पर खरा उतरा जाये, बल्कि यह है कि हम क्या है ? और इस रूप में समाज में क्या योगदान दे सकते है | किसी व्यक्ति के मापन का पैमाना यह नहीं है कि वह किस तरह की उपाधि रखता है बल्कि यह है कि वह क्या है, एवं कितना आत्म निर्भरता एवं आत्मानुभुति के मूल्यों में विश्वास करता है | अधिगम प्रक्रिया पर जोर देता है, शिक्षा अपने आप में जीवन है समुदाय में भागीदारी करें और अधिगम के लिए मैदान का निर्माण करें और उसे लागू करें | छात्र को स्वतन्त्रता दी जाए कि वह अपनी रुचि के अनुसार विषय का चयन करें जिससे अधिगम ज्यादा से ज्यादा सहज अर्थपूर्ण एवं आनंददायी बन सकें | शिक्षक की भूमिका उत्साहवर्धक एवं सलाहकारी हो न कि विचारों को थोपने वाला हो, वह छात्र को सोचने एवं कार्य के लिए उद्दीप्त करें| उपस्थिति और कार्य छात्र का उत्तरदायित्व हो, शिक्षक एवं छात्र के मध्य पारस्परिक विश्वास का संबंध हो और छात्र के स्व की गरिमा का सम्मान किया जाए | शिक्षक भी एक व्यक्ति है,एक मित्र है न कि शिक्षक है | शिक्षक असीम रूप से एक धैर्यवान सहकर्मी है, शिक्षक का व्यक्तित्व एवं नैतिक चरित्र मुख्य है | शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो जन्म से समाधि तक चलती है एवं छात्र की वयस्कता के संक्रमण काल में शिक्षा एक महत्वपूर्ण चरण है |

वैकल्पिक शिक्षा की ढ़ांचागत विशेषताएं

सामान्य रूप से यह चार है जो वैकल्पिक शिक्षा को प्रभावकारी बनाती है जिसे हम 'CSSS' भी कह सकते है –

1. कन्सर्न फॉर द होल स्टूडेंट्स
2. स्मालनेस
3. सपोर्टिव इनवायर्नमेंट

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

4. सेन्स ऑफ़ कम्युनिटी

परम्परागत अधिगम प्रक्रिया एवं वैकल्पिक अधिगम प्रक्रिया में अन्तर

परम्परागत शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	**वैकल्पिक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**
• एक निर्धारित पाठ्यचर्या से अध्यापक बधा रहता है • शिक्षण में किताबे मुख्य श्रोत है • सीखना दोहराव पर निर्भर करता है • अध्यापक सूचनाएं प्रदान करता है और छात्र ग्रहण करता है • अध्यापक निर्देश देता है और उसी के अन्दर सत्ता केन्द्रित होती है • मूल्याङ्कन परीक्षक के द्वारा एवं सही उत्तरों के द्वारा होता है यानि यहाँ मूल्याङ्कन उत्पाद आधारित है • ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया निष्क्रिय है • यहाँ अनुशासन मुख्य है	• इसमें पाठ्यचर्या लचीली होती है • विद्यार्थियों के द्वारा व्यक्त जिज्ञासाएं एवं उनकी रुचियों को महत्व दिया जाता है • सीखना अंतरक्रियात्मक प्रक्रिया है, बच्चा जो जानता है उससे आगे बढ़ जाता है • शिक्षक विद्यार्थियों से बात-चीत करते है और छात्र स्वयं अपने ज्ञान का निर्माण करता है • यहाँ शिक्षक सहायक एवं मित्र होता है और सत्ता का विकेन्द्रीयकरण होता है • यहाँ मूल्याङ्कन से ज्यादा आंकलन पर जोर है, प्रक्रिया को देखा जाता है • यहाँ ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय है • यहाँ स्वतन्त्रता मुख्य है

वैकल्पिक विद्यालयों के सामान्य प्रकार एवं कार्यक्रम-

❖ **कन्टीन्यूएसन स्कूल** – इस प्रकार के विद्यालय उन अधिगमकर्ताओं को पुनः शिक्षा का विकल्प प्रदान करते है जिनकी शिक्षा किन्ही कारणों से बीच में छूट गयी है | इसमें मुख्य रूप से ड्रॉप आउट स्टूडेंट्स, पोटेंशियल ड्रॉप आउट स्टूडेंट्स, प्रेग्नेन्ट स्टूडेंट्स, टीन एज पैरेन्ट्स इत्यादि | ये विद्यालय अधिगमकर्ताओं को अल्प प्रतियोगितापूर्ण एवं अत्यधिक वैयक्तिक शिक्षा प्रदान करते है, और इनकी यह वैयक्तिकता उनकी उपस्थिति एवं प्रगति की स्वतन्त्रता में है |

❖ **फण्डामेंटल स्कूल** - इस तरह के विद्यालय मूलभूत पाठ्यक्रम,शिक्षक निर्देशित अनुदेशन,कठोर अनुशासन ,गृह कार्य,ड्रेस कोड,ग्रेड इत्यादि इनकी विशेषताए है |ये इस रूप में वैकल्पिक विद्यालय है जो कि समाज के उस वर्ग को अपने समूह में सम्मिलित करते है जो कठोर अनुशासन और शैक्षिक/शास्त्रीय अधिगम में विश्वास करता है |

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

- **स्कूल विद इन अ स्कूल** – इस तरह के विद्यालय एक ऐसे विकल्प के निर्माण कि बात करते है जहा व्यापक कक्षा समूह के आकार एवं संख्या को छोटा करके उन्हें प्रबन्धनीय एवं मानवोचित बनाया जा सके |
- **डेमोक्रेटिक एण्ड फ्री स्कूल** – इस तरह के विद्यालयों की मुख्य मान्यता स्वतन्त्रता के मूल्य में विश्वास एवं बालक को प्रकृति से अच्छा माननें की आस्था है | यहाँ शिक्षक एवं छात्र को समान मत देने की परम्परा है कुछ स्कूल तो सभी मामलों (आर्थिक ,संघर्ष समाधान ,नियुक्ति एवं लघु प्रशासनिक निर्णयों) में समान मत के पक्षधर है | ऐसी व्यवस्था में कहीं-कहीं शिक्षक कक्षा में तब आते है जब छात्र बुलाएं और कहीं-कहीं शिक्षक खुद से कक्षा में जाते है |
- **मल्टीकल्चरल स्कूल** – इस तरह के विद्यालय विविध नृजातीय एवं प्रजातीय पृष्ठभूमि के लोगो को एक साथ लाने पर ज्यादा जोर देते है जिससे सांस्कृतिक बहुलता को बढ़ावा दिया जा सके और इस तरह के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इनके पाठ्यक्रम और अधिगम प्रक्रियाओं का निर्धारण किया जाता है |
- **लर्निंग सेंटर्स** – इस तरह के विद्यालय विद्यार्थियों को एक हीं जगह पर विशिष्ट प्रकार के संसाधन एवं कार्यक्रम उपलब्ध कराते है जो उनके कैरियर को ध्यान में रखते हुए भविष्य के प्रति जागरूक एवं तैयार करता है | यह कार्यक्रम व्यावसायिक एवं तकनिकी कौशलों के प्रशिक्षण से सम्बन्धित होते है |
- **मैगनेट स्कूल** – इस तरह के विद्यालयों का विकास एक खास उद्देश्य को लेकर हुआ है और वह उद्देश्य वर्ण भेद को मिटाना है इसके लिए ये विद्यालय विशिष्ट प्रकार के अध्ययन कार्यक्रम उपलब्ध कराते है,जिससे विभिन्न प्रकार के सभी प्रजातीय समूहों को आकर्षित किया जा सके |
- **स्कूल विदाउट वाल्स** – इस तरह के विद्यालय समुदाय आधारित अधिगम अनुभवों के कार्यक्रम की वकालत करते है यहाँ समुदाय के लोगो को मानव संसाधन के रूप में देखा जाता है और वे लोग विद्यालय में अपनी सेवा अनुदेशन क्रिया के रूप में देते है |

वैकल्पिक शिक्षा में शिक्षण विधि, अधिगमकर्ता, शिक्षक, पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन

अधिगम की सक्रिय विधियों का चयन, निर्णय निर्माण में विद्यार्थियों की सहभागिता, छात्र एवं शिक्षक के मध्य अनौपचारिक संबंध, हस्त कौशलों का विकास करना, सृजनात्मकता के विकास पर बल, वैयक्तिक अध्ययन पर बल, उदाहरणों के द्वारा शिक्षण, रटने की अपेक्षा तर्क एवं समझ पर बल, विद्यार्थियों में उत्साह प्यार एवं स्नेह को बढ़ावा देना, विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन एवं तर्क का विकास करना, मानवता के सम्मान की

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

शिक्षा, स्व अधिगम को बढ़ावा देना, विद्यार्थियों को अवसर देना कि वे स्व अधिगम के मार्ग का चुनाव करें,स्व अनुशासन को उत्पन्न करना इत्यादि | ज्यादातर वैकल्पिक विद्यालय अपने पाठ्यक्रम निर्माण में विशिष्ट स्वतन्त्रता रखते है और अंतरविषयी दृष्टिकोण में विश्वास करते है |

यद्यपि सभी वैकल्पिक प्रतिमान इस बात में विश्वास करते हैं कि अधिगम सक्रिय प्रक्रिया है जो छात्र की आवश्यकता एवं रूचि पर आधारित है पर कुछ मुद्दों को लेकर इनकी राय एक दूसरे से भिन्न है | यहाँ शिक्षक की कोई एक रूप परिभाषा नहीं है | यहाँ मुख्यतः दो प्रतिमान है, प्रथम शिक्षक समय से कक्षा में पढ़ाने जायेगा पर छात्र निर्धारित करते है कि वे कक्षा में बैठेंगे या नहीं, द्वितीय शिक्षक कक्षा में तब जायेगा जब छात्र उसे बुलाने आयेंगे | यहाँ शिक्षक पाठ प्रस्तुतकर्ता नहीं बल्कि मित्र, सलाहकार एवं फैसिलिटेटर की भूमिका का निर्वहन करते हैं | वैकल्पिक विद्यालय इस बात में विश्वास करते है कि बच्चे एवं किशोर तभी किसी विषय एवं परियोजना को प्रभावकारी तरीके से सीख सकते है जब इसमें उनकी रूचि एवं उसके लिए प्रोत्साहित हो यही पैराडाइम इनके आकलन एवं मूल्याङ्कन की क्रिया एवं संस्कृति को आकार प्रदान करता है | यहाँ निर्माणात्मक आकलन पर जोर होता है | यहाँ प्रत्येक छात्र की वैयक्तिकता को महत्व दिया जाता है | निकष संदर्भित आकलन पर जोर देते है | इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में आतंरिक अभिप्रेरणा को बढ़ावा देना है | इसमें आकलन का आधार प्रत्येक छात्र की रुचियाँ, अधिगम स्टाईल, एवं अधिगम गति है | यहाँ विद्यार्थियों के अधिगम रिपोर्ट, अधिगम लाग्स और पोर्ट फोलियो का निर्माण किया जाता है | यह सब इनका दस्तावेज है जो उनके खुद के अधिगम को प्रदर्शित करता है |

निष्कर्ष :-

भारत में वैकल्पिक शिक्षा बहुतों के लिए कुछ अलग तरह की शिक्षा है जो अपने आप में कई तरह के पेडागाजिकल अप्रोच को सम्मिलित किये हुए है जिसके माध्यम से समाज के सांस्कृतिक बहुलता को शिक्षा में उचित स्थान प्रदान करता है और यह किसी स्थान, गृह, जिला, राज्य, राष्ट्र के स्तर पर क्रियान्वित हो सकता है यह एक प्रक्रियागत अवधारणा है जहाँ बच्चों के सम्मान, स्वगति, रूचि को महत्व दिया जाता है | यहाँ अध्यापक, छात्र, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि, विद्यालय, मूल्याङ्कन आदि की संकल्पना परम्परागत संकल्पना से भिन्न है | यहाँ मूल्याङ्कन बिना तुलना के एवं सामुदायिक सहभागिता पर बल दिया जाता है | अतः वैकल्पिक शिक्षा की संकल्पना में छात्र की मूल प्रवृत्ति आधारित ज्ञान परम्परा की बात की जाती है जो ‘you are the best in your

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

area' का समर्थन करता है | यह शिक्षा के एक नये बहुआयामी पैराडाइम की बात करता है जहाँ स्थानीय (local) एवं वैश्विक (global) दोनो समान महत्व रखते है |

संदर्भ ग्रंथ सूची

मिश्रा, ऊ. (2014). शिक्षा का समाजशास्त्र, इलाहाबा: अनुभव पब्लिशिंग हाउस.

एरोन, एल.वाई. (2006). एन ओवरव्यू ऑफ़ अल्टरनेटिव एजुकेशन.

अग्ल्वे, एस. (2005). ज्योतिबा फूले का का सामाजिक दर्शन, नई दिल्ली: सम्यक प्रकाशन.

लैंग, सी. एम. (2002). अल्टरनेटिव एजुकेशन: अ ब्रीफ हिस्ट्री एंड रिसर्च सिंथेसिस.

देशांतरी, डी. (2001). भारत के सामाजिक क्रांतिकारी, नई दिल्ली: सोशल चेंज पेपर्स.

मार्टिन, आर. ए. (2000). एन इंट्रोडक्शन टू एजुकेशनल अल्टरनेटिव्स.

गुडमैन, जी. एस. (1999). अल्टरनेटिव्स इन एजुकेशन:क्रिटिकल पेडागाजी फॉर डिसअफेक्टेड यूथ,स्विट्जरलैंड: पीटर लैंग.

मोर्ले, आर. ई. (1991). अल्टरनेटिव एजुकेशन, अ पब्लिकेशन ऑफ़ नेशनल ड्रॉपआउट प्रिवेंसन सेंटर.

राइमर, ई. (1971). द स्कूल इज डेड, लन्दन: पेंग्विन.

इलिच, आई. (1971). डिस्कूलिंग सोसाइटी, न्यू यॉर्क:हार्पर एंड रो पब्लिशर्स.

फ्रेरे, पी. (1970). पेडागाजी ऑफ़ द आप्रेस्ड, न्यू यॉर्क :सेबुरी प्रेस.

नील, ए. एस. (1960). समरहिल, हिंदी रूपांतरण.

http://www.educationrevolution.org/store/resources/alternatives/introtoalternatives

द कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ़ अल्टरनेटिव्स एजुकेशन, बाई-अन्ने स्लिव्का.

http://en.mwikipedia,org>wiki>Alternativeeducation

Copyright © 2018, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies